सीएसए खोलेगा हार्टिकल्चर का दूसरा कॉलेज

रायबरेली में होगी स्थापना... विश्वविद्यालय का होगा 10वां कॉलेज

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) ने हार्टिकल्चर (उद्यानिकी) क्षेत्र में बढ़ते छात्र रुझान को देखते हुए बड़ा निर्णय लिया है। अब रायबरेली में उद्यान विभाग का दूसरा कॉलेज स्थापित होगा। इससे पहले विश्वविद्यालय के कैंपस में उद्यान महाविद्यालय संचालित हो रहा है। प्रस्ताव को प्रदेश कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। यह विश्वविद्यालय का दसवां कॉलेज होगा।

करीब 30 करोड़ से बनने वाले इस कॉलेज का निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की संभावना है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार बीते कुछ वर्षों में छात्रों का रुझान हार्टिकल्चर विषय की ओर तेजी से बढ़ा है। इसको ध्यान में रखते हुए सीटें बढ़ाने और बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

विश्वविद्यालय में मौजूदा समय में नौ कॉलेज संचालित हैं। कानपुर कैंपस में कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, वानिकी महाविद्यालय और उद्यान महाविद्यालय हैं। इटावा में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय और डेरी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय संचालित हैं, जबकि लखीमपुर खीरी और हरदोई में एक-एक कृषि महाविद्यालय चल रहे हैं। सभी संस्थानों में स्नातक, परास्नातक के साथ पीएचडी की पढ़ाई हो रही है।

छात्रों को होगा लाभ

- नजदीकी जिले में कॉलेज खुलने से दूर जाने की जरूरत नहीं होगी।
- हार्टिकल्चर में बढ़ती सीटों से अधिक छात्रों को मिलेगा मौका
- आधुनिक लैब और प्रैक्टिकल सुविधाओं से बेहतर प्रशिक्षण
- रोजगार और स्टार्टअप के नए अवसर बढ़ेंगे
- क्षेत्रीय स्तर पर कृषि व उद्यानिकी विकास को मिलेगा बढ़ावा

छात्रों का रुझान हार्टिकल्चर विषय की ओर तेजी से बढ़ा। इसी को देखते हुए रायबरेली में उद्यान विभाग का दूसरा और विश्वविद्यालय का 10वां कॉलेज खुलेगा। इसका निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। -डॉ.संजीव गुप्ता, कुलपति सीएसए

रायबरेली में प्रस्तावित नए हार्टिकल्चर महाविद्यालय में स्नातक और परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। यहां प्रवेश यूपी-कैटेट के माध्यम से होगा। नए कॉलेज से न सिर्फ छात्रों को बेहतर अवसर मिलेंगे, बल्कि प्रदेश में उद्यानिकी क्षेत्र के विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

सरल, क्रमवार और छात्रों के अनुसार पढ़ाई ज्यादा असरदार

सीएसजेएमयू ने 1600 शोध पत्रों के विश्लेषण से निकाला निष्कर्ष

शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल एनल ऑफ न्यूरो साइसेज में प्रकाशित

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। सरल, क्रमवार, चरणबद्ध और छात्रों की समझ के अनुसार पढ़ाई ज्यादा प्रभावी और असरदार है। यह निष्कर्ष छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के शोध में सामने आया है। इसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल एनल ऑफ न्यूरोसाइंसेज में प्रकाशित किया गया है। विशेषज्ञों ने 2021 से 2025 के बीच दुनिया भर के 1600 से अधिक शोध-पत्रों के गहन विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाला है।

शोध का उद्देश्य यह समझना था कि तेजी से बढ़ रही डिजिटल शिक्षा को किस प्रकार अधिक सरल, प्रभावी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाया जा सकता है। अध्ययन में पाया गया कि केवल ऑनलाइन या डिजिटल माध्यम अपनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पढ़ाई को व्यवस्थित और चरणबद्ध ढंग से प्रस्तुत करना जरूरी है। इससे छात्र विषय को बेहतर तरीके से समझते हैं और लंबे समय तक उसे याद रख पाते हैं। यह भी सामने आया कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, चीन और सिंगापुर जैसे देश डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इन देशों में तकनीक का उपयोग विद्यार्थियों की जरूरतों के अनुसार किया जा रहा है, जिससे सीखने की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस अध्ययन का लाभ केवल शोधकर्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा। शिक्षक कक्षाओं को अधिक प्रभावी बना सकेंगे, वहीं शिक्षा संस्थान बेहतर डिजिटल सामग्री विकसित कर पाएंगे। इससे नीति-निर्माताओं को भी भविष्य की शिक्षा व्यवस्था तैयार करने में दिशा मिलेगी।

कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि नई तकनीक का उद्देश्य केवल पढ़ाई को डिजिटल बनाना नहीं, बल्कि उसे अधिक सरल, प्रभावी और उपयोगी बनाना होना चाहिए। अध्ययन के पत्राचार लेखक डॉ. विमल सिंह ने बताया कि यह शोध शिक्षा को अधिक छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हिंदुस्तान 15/07/2026

रायबरेली में खुलेगा सीएसए विवि का दसवां कॉलेज

कानपुर। सीएसए का दसवां कॉलेज रायबरेली में खुलेगा। राज्य सरकार की कैबिनेट में मंजूरी मिल गई है। इसके लिए करीब 30 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है। जल्द निर्माण प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। यह विवि का दूसरा हार्टिकल्चर कॉलेज होगा। जिसमें प्रदेशभर के मेधावियों को उत्कृष्ट शिक्षा लेने का मौका मिलेगा। छात्रों में हार्टिकल्चर (उद्यान) की बढ़ती मांग को देखते हुए सीएसए विवि के नए कॉलेज पर प्रदेश सरकार ने भी मुहर लगा दी है।